13.0 भर्ती प्रक्रिया:

13.1 उम्मीदवारों को केवल ऑनलाइन माध्यम से रेलवे भर्ती बोर्ड के किसी भी एक आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से आवेदन जमा करना चाहिए। उम्मीदवार केवल एक रेलवे भर्ती बोर्ड के लिए और केवल एक ही ऑनलाइन आवेदन (चयनित आरआरबी में किसी भी या सभी अधिसूचित पदों के लिए प्राथमिकता के क्रम में) जमा कर सकते हैं। **एक बार रेलवे भर्ती बोर्ड का चयन करने के पश्चात् वह अंतिम होगा। एक से अधिक रेलवे भर्ती बोर्ड के लिए आवेदन करने पर सभी आवेदनों को अस्वीकार कर दिया जाएगा।**

13.2 ऑनलाइन आवेदन के दौरान उम्मीदवारों को खाता बनाने के लिए कहा जाएगा। यदि किसी उम्मीदवार ने 2024 में अधिसूचित सीईएन के लिए पहले ही एक खाता बना लिया है, तो उन्हें लॉग इन करने और इस सीईएन के लिए भी आवेदन करने के लिए उसी खाता क्रेडेंशियल का उपयोग करना होगा। यदि उम्मीदवारों ने पहले कोई खाता नहीं बनाया है,तो उन्हें इस सीईएन के लिए आवेदन भरने से पहले एक खाता बनाना होगा। उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे खाता निर्माण के लिए आवश्यक विवरण अत्यंत सावधानी से

भरें, क्योंकि खाता बनने के बाद किसी भी प्रकार के सुधार की अनुमति नहीं दी जाएगी। खाता बनाए फॉर्म में भरा गया विवरण(मोबाइल नंबर और ई-मेल आईडी सहित) खाता बनने के बाद किसी भी चरण में संशोधित नहीं किया जा सकता है।

13.3 भर्ती की प्रक्रिया में एकल चरण की कंप्यूटर आधारित परीक्षा (सीबीटी), प्रदर्शन परीक्षण/शिक्षण कौशल परीक्षा, अनुवाद परीक्षा (यथा लागू) और दस्तावेज सत्यापन तथा चिकित्सा परीक्षा शामिल है। तथापि, रेलवे भर्ती बोर्ड यथा आवश्यक सभी या सीमित उम्मीदवारों के लिए अतिरिक्त कंप्यूटर आधारित परीक्षाओं के संचालन का अधिकार सुरक्षित रखते हैं।

13.4 कंप्यूटर आधारित परीक्षा (सीबीटी), प्रदर्शन परीक्षण/शिक्षण कौशल परीक्षा, अनुवाद परीक्षा और दस्तावेज सत्यापन तथा चिकित्सा परीक्षा या यथा लागू अतिरिक्त क्रियाकलाप के लिए तिथि, समय तथा स्थान का निर्धारण रेलवे भर्ती बोर्ड द्वारा किया जाएगा और उसकी सूचना उम्मीदवारों को विधिवत् दी जाएगी। किसी भी परिस्थिति में उक्त में से किसी भी क्रियाकलाप का विलंबन, स्थान तिथि तथा पारी में बदलाव से संबंधित अनुरोध स्वीकार नहीं किया जाएगा।

13.5 प्रथम चरण की कंप्यूटर आधारित परीक्षा के लिए 100 प्रश्नों के प्रश्न पत्र के लिए 90 मिनट की परीक्षा अवधि होगी और स्क्राइब की सहायता प्राप्त करने वाले योग्य पीडब्लूबीडी उम्मीदवारों के लिए यह परीक्षा अवधि 120 मिनट की होगी।

13.6 प्रश्न पत्र वस्तुनिष्ठ तथा बहुविकल्पीय प्रकार के होंगे।

13.7 एकल चरण की कंप्यूटर आधारित परीक्षा के लिए प्रश्नों का मानक सामान्यतः पदों के लिए निर्धारित शैक्षणिक मानकों के अनुरूप होगा। सभी अधिसूचित पदों के लिए व्यावसायिक योग्यता से संबंधित प्रश्न **अनुलग्नक-VIII से XXI** में उल्लिखित पाठ्यक्रम से होंगे।

13.8 खंडवार अंक: कनिष्ठ अनुवादक/हिंदी पदों को छोड़कर बाकी सभी पदों के **खंडवार प्रश्नों की संख्या और अंको** का विस्तृत विवरण नीचे दिया गया है :

विषय	प्रश्नों की संख्या	आवंटित अंक
व्यावसायिक योग्यता	50	50
सामान्य जागरूकता	15	15
सामान्य बुद्धि और तर्कशक्ति	15	15
गणित	10	10
सामान्य विज्ञान	10	10
कुल	**100**	**100**

प्रत्येक एक प्रश्न एक अंक का होगा।

उपर्युक्त सारणी में दिया गया खंडवार बंटवारा केवल सांकेतिक है और वास्तविक प्रश्न पत्र में कुछ परिवर्तन हो सकता है। **नकारात्मक अंकन होगा तथा प्रत्येक गलत उत्तर के लिए 1/3 अंक काटे जाएँगे।**

13.9 कनिष्ठ अनुवादक/हिंदी पदों को छोड़कर बाकी सभी पदों के प्रश्न निम्नलिखित विषयों से संबंधित शामिल किए जाएंगे :-

a. **गणित:** अंक प्रणाली, बॉडमस, दशमलव, अंश, लघुत्तम समापवर्तक तथा महत्तम समापवर्तक, अनुपात एवं समानुपात, प्रतिशत, क्षेत्रमिति, समय तथा कार्य, समय तथा दूरी, सामान्य तथा चक्रवृद्धि ब्याज, लाभ व हानि, बीज गणित, ज्यामिति और त्रिकोणमिति, प्रारंभिक सांख्यिकी, वर्गमूल, आयु गणना, कैलेंडर और घड़ी, पाइप और टंकी इत्यादि।

b. **सामान्य बुद्धि और तर्कशक्ति:** अनुरूपता, वर्णानुक्रम एवं संख्या श्रृंखला, कोडिंग और डिकोडिंग, गणितीय संक्रियाएँ, संबंध, युक्ति वाक्य, बिना क्रम के रखना (जंबलिंग), वेन आरेख, आँकड़ा व्याख्या और पर्याप्तता, निष्कर्ष और निर्णय लेना, समानताएँ और अंतर, विश्लेषणात्मक तर्क, वर्गीकरण, दिशा-निर्देश, कथन-तर्क और धारणा इत्यादि।

c. **सामान्य जागरूकताः** वर्तमान घटनाओं का ज्ञान, भारतीय भूगोल, संस्कृति एवं स्वतंत्रता संग्राम सहित भारत का इतिहास, भारतीय राजनीति और संविधान, भारतीय अर्थव्यवस्था, भारत और विश्व के पर्यावरण संबंधी मुद्दे, खेल और क्रीड़ा, सामान्य वैज्ञानिक एवं तकनीकि विकास इत्यादि।

d. **सामान्य विज्ञान:** भौतिकी, रसायन विज्ञान और जीवन विज्ञान (10 वीं कक्षा तक का सीबीएसई पाठ्यक्रम)।

13.10 विभिन्न समुदायों में पात्रता के लिए अंकों का न्यूनतम प्रतिशतः अनारक्षित-40%, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्युएस)-40%, अन्य पिछड़ा वर्ग(अन्य- क्रीमी लेयर) -30 %, अनुसूचित जाति-30 %, अनुसूचित जनजाति-25% । पीडब्ल्यूबीडी व्यक्तियों के लिए आरक्षित

रिक्तियों के लिए पीडब्ल्यूबीडी व्यक्ति उपलब्ध न होने की स्थिति में पीडब्ल्यूबीडी उम्मीदवारों को पात्रता के लिए 2 अंकों की छूट दी जाएगी।

13.10.1 जब दूसरे चरण की कंप्यूटर आधारित परीक्षा को आवश्यक माना जाता है और आयोजित किया जाता है, रेल भर्ती बोर्ड पहले चरण की कंप्यूटर आधारित परीक्षा को एक योग्यता परीक्षा के रूप में मानकर उसके आधार पर दूसरे चरण के लिए उचित संख्या में उम्मीदवारों को सूचीबद्ध करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

13.11 प्रदर्शन परीक्षण/शिक्षण कौशल परीक्षा, अनुवाद परीक्षा, दस्तावेज सत्यापन (यथा लागू) पदों के लिए उम्मीदवारों को कंप्यूटर आधारित परीक्षा में उनके द्वारा प्राप्त सामान्यीकृत अंकों के आधार पर सूचीबद्ध किया जाएगा।

13.12 जूनियर अनुवादक/हिंदी:

एक एकल चरण कंप्यूटर आधारित परीक्षा के बाद एक योग्यता अनुवाद परीक्षा आयोजित की जाएगी। प्रश्न पत्र को अंग्रेजी भाषा के ज्ञान के साथ-साथ हिंदी भाषा के ज्ञान को परीक्षण करने के लिए तैयार किया जाएगा। कम से कम 50% प्रश्न को भाषा दक्षता का परीक्षण करने के लिए होंगे जिसमें अंग्रेजी के लिए 20% और हिंदी के लिए 30% होंगे। सीबीटी में भाषा से संबंधित भाग के लिए पाठ्यक्रम **अनुलग्नक-VII** में दिया गया है । शेष प्रश्नों को सामान्य ज्ञान, सामान्य बुद्धि, सरल अंकगणित और कंप्यूटर की मूल जानकारी के परीक्षण के लिए तैयार किया जाएगा।

<u>अनुवाद परीक्षा</u>

(i) अनुवाद परीक्षा मुख्य परीक्षा का हिस्सा नहीं होगी। वस्तुनिष्ठ प्रकार की सीबीटी में योग्यता के आधार पर, आरक्षण की आवश्यकताओं को विधिवत ध्यान में रखते हुए, अनुवाद परीक्षा के लिए रिक्तियों की संख्या से 10 गुना उम्मीदवारों को बुलाया जाएगा।

(ii) अनुवाद परीक्षा केवल एक योग्यता परीक्षा होगी और योग्यता परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए 60% अंक आवश्यक होंगे।

13.12.1 जूनियर अनुवादक की मेरिट लिस्ट केवल सीबीटी में प्राप्त अंकों के आधार पर होगी। जो उम्मीदवार 60% अंकों के साथ अनुवाद परीक्षा में उत्तीर्ण नहीं होंगे उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा।

13.13 प्रदर्शन परीक्षण/शिक्षण कौशल परीक्षा

पैरा 13.8 में बताई गए 100 अंकों के सीबीटी के अलावा, शिक्षकों के लिए प्रदर्शन परीक्षण (PT) और शिक्षण कौशल परीक्षा (TST) होगी।

स्नातकोत्तर शिक्षक (पोस्ट ग्रेजुएट शिक्षक), प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (ट्रेंड ग्रेजुएट टीचर), शारीरिक प्रशिक्षण अनुदेशक (PTI) और सहायक अध्यापिका (जूनियर स्कूल) के लिए भर्ती लिखित परीक्षा (CBT) और शिक्षण कौशल परीक्षा के 85:15 के अनुपात के आधार पर की जाएगी।

संगीत शिक्षक, प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक/संगीत, प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक/शिल्प, प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक/ चित्रकला के पदों के लिए लिखित परीक्षा (सीबीटी), प्रदर्शन परीक्षण और कौशल परीक्षा का महत्व क्रमशः 60:25:15 के अनुपात में होगा।

शिक्षण कौशल परीक्षा:- शिक्षण कौशल परीक्षा, शिक्षण की क्षमता, शिक्षण पद्धति, सामग्री विशेषज्ञता, सामग्री की उपयुक्तता, क्षेत्र में हाल ही में हुए विकास का समावेश, संवाद कौशल, प्रस्तुति कौशल, कक्षा प्रबंधन कौशल, विषय वस्तु की समझ, समस्या सुलझाने की क्षमता, निर्णय लेने, रचनात्मकता, नेतृत्व और प्रेरणा की गुणवत्ता के आधार पर किया जाएगा। उम्मीदवारों को समिति के सामने पावर प्वाइंट प्रस्तुति के माध्यम से उनके विषय के कुछ प्रकरणों को पढ़ाने के लिए कहा जाएगा। समिति द्वारा विषय मौके पर ही तय किए जाएंगे। उम्मीदवारों को तैयारी के लिए पर्याप्त समय दिया जाएगा और कौशल परीक्षा के समय उपकरणों की उपलब्धता अनुसार पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन या किसी अन्य शिक्षण में सहायक सामग्री का उपयोग करने के लिए कहा जाएगा। कौशल परीक्षा का समय समिति द्वारा तय किए गए समय के अनुसार 15 से 30 मिनट के बीच होगा। कौशल परीक्षा 150 अंकों की होगी। कौशल परीक्षा के लिए कोई न्यूनतम योग्यता अंक नहीं होंगे। तथापि, कुल अंकों में कौशल परीक्षा का महत्व 15% होगा। कौशल परीक्षा की वीडियोग्राफी की जाने की संभावना है।

प्रदर्शन परीक्षण : संगीत शिक्षक, प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक/संगीत को गायन के कौशल, विभिन्न वाद्य संगीत बजाने, प्रस्तुति कौशल, समन्वय, अभिव्यक्ति, ऊर्जा स्तर, ताल, कला रूपों के साथ प्रयोग, कल्पना तथा नवीनता तथा कलात्मक स्वभाव के आधार पर चुना जाएगा।

प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक/शिल्प और प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक/चित्रकला को कला रूपों/चित्रकारी/शिल्प/रेखाचित्र, नवीन और रचनात्मक दृष्टिकोण, सौंदर्यबोध संवेदनशीलता, अवलोकन कौशल, विवेचन और मौलिकता, वास्तविक जीवन के साथ सह संबंध, विभिन्न कला विधाओं और माध्यमों के साथ प्रयोग, आकार और अनुपात में स्पष्टता और रंग का महत्व, संतुलन और चमक के प्रदर्शन पर चुना जाएगा।

समिति द्वारा मौके पर ही तय किए जाएंगे। उम्मीदवारों को तैयारी के लिए पर्याप्त समय दिया जाएगा और प्रदर्शन परीक्षण के स्थान पर उपकरणों की उपलब्धता के अनुसार किसी भी शिक्षण में सहायक सामग्री का उपयोग करने के लिए कहा जाएगा।

प्रदर्शन परीक्षण 100 अंकों का होगा। प्रदर्शन परीक्षण के लिए कोई न्यूनतम योग्यता अंक नहीं होंगे। तथापि, प्रदर्शन परीक्षण का महत्व कुल अंकों का 25% होगा। प्रदर्शन परीक्षण की वीडियो ग्राफी की जाने की संभावना है।

13.14 दस्तावेज़ सत्यापन (डीवी):

सीबीटी में उम्मीदवारों के प्रदर्शन के आधार पर तथा प्रदर्शन परीक्षण/शिक्षण कौशल परीक्षा, अनुवाद परीक्षा (जैसा लागू), में उम्मीदवारों के प्रदर्शन के आधार पर रिक्तियों की संख्या के बराबर उम्मीदवारों को उनकी योग्यता और विकल्पों के अनुसार दस्तावेज़ सत्यापन के लिए बुलाया जाएगा। दो या दो से अधिक उम्मीदवारों समान अंक प्राप्त करने के मामले में, उनकी योग्यता की स्थिति आयु मानदंड से निर्धारित की जाएगी, अर्थात उम्र में बड़े व्यक्ति को उच्च योग्यता पर रखा जाएगा और यदि आयु समान है, तो बराबरी की स्थिति को दूर करने के लिए उनकी योग्यता की स्थिति नाम के अंग्रेजी वर्णमाला क्रम (A से Z) के अनुसार तय की जाएगी।

उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे सुनिश्चित करलें कि वे अपने आवेदन पत्र में दर्शाए गए समुदाय/कोटि से संबंधित हैं। दस्तावेज़ सत्यापन के दौरान उन्हें सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी किए गए वैध प्रमाण पत्र को दिखा कर अपने दावे की पुष्टि करनी होगी। ऐसा न करने पर उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी। इसके अतिरिक्त, उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (एनसीएल)/आर्थिक रूप से पिछड़ा वर्ग/पीडब्ल्यूबीडी/भूतपूर्व सैनिक के दावे के संबंध में कपटपूर्ण दावा करने पर अथवा अनुचित लाभ उठाने पर उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा और उन्हें रेलवे भर्ती बोर्ड/रेलवे भर्ती प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित सभी परीक्षाओं/भर्ती में बैठने से वंचित कर दिया जाएगा।

13.15 चयनित उम्मीदवारों की नियुक्ति रेलवे प्रशासन/आरआरबी द्वारा आयोजित अपेक्षित चिकित्सा उपयुक्तता परीक्षा उत्तीर्ण करने, शैक्षणिक और समुदाय संबंधी प्रमाण-पत्रों के अंतिम सत्यापन और उम्मीदवारों के पूर्ववृत्त/चरित्र के सत्यापन के अधीन है। उम्मीदवार कृपया ध्यान दें कि रेलवे भर्ती बोर्ड केवल सूचीबद्ध उम्मीदवारों के नामों की अनुशंसा करते हैं और नियुक्ति केवल संबंधित रेलवे प्रशासनों द्वारा ही की जाती है। कृपया यह भी ध्यान दें कि दस्तावेज़ सत्यापन (डीवी) में सफल सभी उम्मीदवारों को चिकित्सा परीक्षा के लिए भेजा जाता है।

14.0 <u>अंकों का सामान्यीकरण :</u>

उम्मीदवारों का चयन सीबीटी और प्रदर्शन परीक्षण/शिक्षण कौशल परीक्षा, अनुवाद परीक्षा (यथा लागू) में उनके द्वारा प्राप्त अंकों के आधार पर होगा। हालाँकि, कभी-कभी परीक्षाओं को कई सत्रों में आयोजित किया जाता है। जब भी सीबीटी कई सत्रों में आयोजित किया जाता है, तो अंकों का सामान्यीकरण किया जाता है। ऐसी स्थिति में दस्तावेज़ सत्यापन (डीवी) के लिए उम्मीदवारों का चयन उनके द्वारा प्राप्त सामान्यीकृत अंकों के आधार पर किया जाएगा।

15.0 आवेदन कैसे करें:

(a) गलतियों से बचने के लिए उम्मीदवार ऑनलाइन आवेदन भरने से पहले सभी सूचनाओं एवं निर्देशों को ध्यानपूर्वक अवश्य पढ़ें।

(b) उम्मीदवार की योग्यता और आरक्षण कोटि के लिए रेलवे भर्ती बोर्ड-वार रिक्तियों की जाँच : उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे सभी रेलवे भर्ती बोर्ड द्वारा अधिसूचित रिक्तियों का पता लगाने के लिए इस सीईएन में दी गई पद मापदंड तालिका और रिक्ति तालिका की जाँच करें और फिर यह तय करें कि वे किस रेलवे भर्ती बोर्ड के लिए आवेदन करना चाहते हैं। उम्मीदवार यह भी सुनिश्चित करें लें कि जिस रेलवे भर्ती बोर्ड में वे ऑनलाइन आवेदन करना चाहते हैं, वहाँ उनकी शैक्षणिक योग्यता, समुदाय/श्रेणी के लिए आयु, चिकित्सा मानकों, अक्षमता इत्यादि के संदर्भ में उनकी पात्रता के अनुसार रिक्तियां हों।

(c) अधिसूचित विभिन्न पदों के लिए रिक्तियों की उपलब्धता और उम्मीदवार की पात्रता का पता लगाने के लिए निम्नलिखित चरणों का पालन किया जा सकता हैः

(i) पोस्ट पैरामीटर तालिका:- इस पोस्ट पैरामीटर तालिका से उम्मीदवार उन पद (पदों) का पता लगा सकते हैं जिनके लिए वे योग्यता, अक्षमता के प्रकार जिनके लिए पद योग्य है (पीडब्ल्यूबीडी हों तो) तथा आवश्यक चिकित्सा मानक इत्यादि के अनुसार पात्र हैं।

(ii) रिक्ति तालिका: उम्मीदवार अपनी पात्रता के अनुसार किसी रेलवे भर्ती बोर्ड के सभी अधिसूचित पदों की रिक्तियों का विस्तृत विवरण पता लगाने के लिए, उम्मीदवार रेलवे भर्ती बोर्ड की ड्रॉप डाउन सूची से रेलवे भर्ती बोर्ड का चयन करने के पश्चात पात्रता

कनिष्ठ अनुवादक/हिंदी

1. इस प्रश्न पत्र के सामान्य भाग में 50 प्रश्न होंगे।
2. भाषा के भाग में, 30 प्रश्न हिंदी भाषा से होंगे और 20 प्रश्न अंग्रेजी भाषा से होंगे। इन 50 प्रश्नों का अन्य भाषाओं में अनुवाद नहीं किया जाएगा। अर्थात, हिंदी भाषा से संबंधित प्रश्न केवल हिंदी में होंगे और अंग्रेजी भाषा से संबंधित प्रश्न केवल अंग्रेजी में होंगे।
   नोट: कठिनाई स्तर 12वीं(+2स्टेज) होगा।

<u>हिंदी भाषा के लिए पाठ्यक्रम</u>

प्रत्येक के तीन प्रश्न पूछे जाएंगे	
क्र. सं.	विषय
1	समानार्थी शब्द
2	पर्यायवाची शब्द
3	विलोम शब्द
4	प्रत्यय
5	उपसर्ग
6	सन्धि-विच्छेद
7	मुहावरे और लोकोक्तियाँ
8	तत्सम-तद्भव
9	वाक्यांश के लिए एक शब्द
10	शब्द/वाक्य शुद्धि

<u>अंग्रेजी भाषा के लिए पाठ्यक्रम</u>

(Two Questions each)	
Sl. No.	Subject
1	Synonyms/Antonyms
2	Translation into हिन्दी
3	Suffix/Prefix
4	Phrases/Idioms
5	Arrange the words in proper sequence
6	Pronouns/Verbs/Tenses
7	Articles/Proposition/Conjunctions
8	Adjectives/Adverbs
9	Question Tag
10	Active & passive voice

कर्मचारी **एवं कल्याण निरीक्षक**

क्र. सं.	विषय	प्रश्नों की संख्या
1	**औद्योगिक संबंध:** औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947, भारतीय व्यापार संघ अधिनियम, 1926, औद्योगिक रोजगार [स्थायी आदेश] अधिनियम,1946	9 से 11
2	**सामाजिक सुरक्षा कानून:** कर्मचारी क्षतिपूर्ति अधिनियम, 1923; कर्मचारी भविष्य निधि अधिनियम, 1952; कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948; मातृत्व लाभ अधिनियम, 1961	9 से 11
3	**मजदूरी से संबंधित कानून:** न्यूनतम मजदूरी अधिनियम, 1948, मजदूरी भुगतान अधिनियम, 1936; बोनस भुगतान अधिनियम, 1965; ग्रेच्युटी भुगतान अधिनियम 1972 ।	9 से 11
4	**काम की स्थितियां प्रभावित करने वाले विधान** : भारतीय कारखाना अधिनियम, 1948; खान अधिनियम, 1952 ।	7 से 10
5	**कंप्यूटर और अनुप्रयोगों की मूल बातें:** इनपुट और आउटपुट डिवाइस, एमएस ऑफिस;	3 से 5
6	**सूचना का अधिकार अधिनियम - उसके प्रावधान।**	2 से 4
7	**नई पेंशन योजना** ।	1 से 3
	कुल	**50**

मुख्य विधि सहायक

क्र. सं.	विषय	प्रश्नों की संख्या
1	**भारतीय संविधान:** प्रस्तावना और मुख्य विशेषताएं, मौलिक अधिकार और कर्तव्य, राज्यनीति के निर्देशक सिद्धांत, केंद्रीय विधानमंडल, कार्यपालिका और न्यायपालिका।	3 से 5
2	**प्रशासनिक कानून:** प्रशासनिक कानून की प्रकृति और दायरा; प्रशासन की विधायी शक्ति; प्रशासन की न्यायिक शक्ति; प्रशासनिक कार्रवाई का न्यायिक नियंत्रण; निगम और सार्वजनिक उपक्रम।	2 से 3
3	**न्यायशास्त्रः** प्रकृति और संकल्पना, न्यायशास्त्र के स्कूल, कानून के स्रोत, कानूनी अवधारणा, कानूनी व्यक्ति	3 से 4
4	**अपकार का कानून :** सामान्य अवधारणाएं।	2 से 3
5	**हिंदू कानून:** स्रोत, विवाह, तलाक, रखरखाव, गोद लेना, उपहार, उत्तराधिकार	3 से 4
6	**नागरिक प्रक्रिया संहिता:** सामान्य; सूट, निष्पादन; अपील; संदर्भ, समीक्षा और संशोधन; लिखित बयान, सेट-ऑफ और जवाबी - दावा; परीक्षा, खोज, प्रवेश और दस्तावेज़ कानून।	5 से 7
7	**भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता:** विभिन्नखंड।	2 से 3
8	**भारतीय न्याय संहिता:** सामान्य; दंड; दुष्प्रेरण, आपराधिक षड्यंत्र; राज्य के खिलाफ अपराध, लोकसेवकों के कानूनी अधिकार की अवहेलना, गलत साक्ष्य; मानव शरीर और संपत्ति को प्रभावित करने वाले अपराध।	2 से 3
9	**भारतीय साक्ष्य अधिनियम,2023:** तथ्यों की प्रासंगिकता; जिन तथ्यों को साबित करने की आवश्यकता नहीं है; मौखिक साक्ष्य; दस्तावेज़ी प्रमाण; सबूत के बोझ; विबंधन; गवाहों की परीक्षा और अनुचित प्रवेश और साक्ष्य की अस्वीकृति।	2 से 3
10	**भारतीय संविदा अधिनियम,1872**: समझौता, अनुबंध और प्रस्ताव; स्वीकृति; प्रतिफल; अनुबंध की क्षमता; सहमति को प्रभावित करने वाले कारक; उद्देश्य की वैधता; अनुबंध का निष्पादन; अनुबंध का उल्लंघन; क्षति पूर्ति और गारंटी; उपनिधान।	2 से 3
11	**परिसीमा अधिनियम, 1963**: प्रारंभिक और मुकदमे की परिसीमा, अपील और आवेदन; परिसीमा की अवधि; कब्जे और विविध द्वारा स्वामित्व का अधिग्रहण।	2 से 3
12	**विनिर्दिष्ट अनुतोष अधिनियम, 1963**: विशिष्ट राहत और निवारक राहत।	1 से 2
13	**भारतीय भागीदारी अधिनियम, 1932;** पार्टनरशिप की प्रकृति और पार्टनर के एक-दूसरे से संबंध; पार्टियों के तीसरे व्यक्ति से संबंध; आवक और जावक भागीदार; किसी फर्म का विघटन; फर्मों का पंजीकरण	1 से 2
14	**मध्यस्थता और सुलह अधिनियम, 1996**: मध्यस्थता; समझौता	2 से 3
15	**उपभोक्ता संरक्षण अधिनियमः** सामान्य प्रावधान।	1 से 2
16	**मानव अधिकारों का संरक्षण**: सामान्य प्रावधान।	1 से 2
17	**संपत्ति अंतरण अधिनियम:** सामान्य, पार्टियों के द्वारा संपत्ति का हस्तांतरण; अचल संपत्ति की बिक्री, अचल संपत्ति को बंधक रखना और उसका शुल्क; अचल संपत्ति की लीज, आदान-प्रदान; उपहार।	2 से 3
18	**सूचना का अधिकार अधिनियमः** सार्वजनिक प्राधिकारियों का दायित्व; केंद्रीय और राज्य सूचना आयोग; अपील और दंड।	1 से 2
19	**कंपनी कानून:** कंपनी का गठन, पंजीकरण और निगमन; पूंजी निर्माण, कॉर्पोरेट प्रशासन और कंपनियों के समापन ।	2 से 3
20	**श्रम कानूनः** औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947; ट्रेड यूनियन अधिनियम, 1926; कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948; कर्मचारी भविष्यनिधि अधिनियम, 1952; मातृत्व लाभ अधिनियम, 1961; न्यूनतम मजदूरी अधिनियम, 1948; कारखाना अधिनियम, 1948; मजदूरी भुगतान अधिनियम, 1936	3 से 5
	कुल	**50**

वरिष्ठ प्रचार निरीक्षक

क्र. सं.	विषय	प्रश्नों की संख्या
1	**संचार-व्यवस्था**	12 से 15
	संचार का परिचय; संचार का इतिहास; उपकरण; संचार के मूल तत्व; संचार के प्रकार; संचार की अनिवार्यता; संचार के सिद्धांत; प्रभावी सिद्धांत, संचार की प्रक्रिया; संचार की प्रक्रिया को प्रभावित करने वाले कारक; संचार के रूप; मौखिक संचार ।	
2	**जन संचार**	12 से 15
	जन संचार का युग, जनसंचार का परिचय और इतिहास; जनसंचार की संस्कृति और कार्य; जन संचार के उपकरण; पत्रकारिता; प्रेस कोड और नैतिकता; जन संचार के तत्व, जनसमूह श्रोताओं का मनोविज्ञान और समाजशास्त्र, जन संचार के मॉडल; जन संचार के सिद्धांत; संचार में मुद्दे; जनसंपर्क माध्यम और जनमत ।	
3	**विज्ञापन**	10 से 13
	अवधारणा, विज्ञापन के कार्य, किसी उत्पाद/सेवा/विचार के विज्ञापन के अवसर को निर्धारण करने वाले कारक/, विज्ञापन के प्रकार और वर्गीकरण प्रदर्शन/वर्गीकृत/व्यापार/उत्पाद/वित्तीय/कॉर्पोरेट आदि, ब्रांड प्रबंधन और पोजिशनिंग, रचनात्मक और अभियान की अवधारणा; विज्ञापन के सामाजिक और आर्थिक प्रभाव, विज्ञापन: नैतिकता, कोड और कानून, मार्का न्यायपरस्ता और विज्ञापन।	
	विज्ञापन संस्था - संस्था के प्रकार, संरचना, कार्य, भूमिकाएँ और कार्य-क्षेत्र ।	
	संस्था ग्राहक संबंध, शीर्ष संगठन: डीएवीपी, आईएनएस, आईएसए, एएएआई।	
4	**जनसंपर्क**	10 से 13
	जनसंपर्क; सार्वजनिक संबंधों का विकास; भारत में पीआर; जनता की राय; पीआर प्रक्रिया; आंतरिक संचार के लिए पीआर, बाहरी जनता के लिए पीआर, संचार के लिए मास मीडिया, नैतिकता और पीआर; मीडिया से निपटने/मीडिया की कार्यप्रणाली; पीआर में लेखन की भूमिका, पीआर में उभरती चुनौतियां।	
	पीआर प्रबंधन - कार्यक्रम प्रबंधन, संकट प्रबंधन, समय प्रबंधन और तनाव प्रबंधन।	
	पीआर कानून - आचार संहिता, पीआर और प्रेस परिषद, मानहानि, सरकारी गोपनीयता अधिनियम 1923, कॉपीराइट अधिनियम 1957, प्रेस और पुस्तक पंजीकरण अधिनियम 1867।	
	अदालत की अवमानना	
	कम्प्यूटर और इसके अनुप्रयोग (2 से 3 प्रश्न)	
5	सामाजिक मीडिया, जैसे ब्लॉग, ट्विटर, यूट्यूब आदि पर विषय और कवरेज।	3 से 5
	कुल	**50**

सभी पोस्ट ग्रैजुएट टीचर्स (पीजीटी) / प्रशिक्षित ग्रैजुएट टीचर्स (टीजीटी)

क्र. सं.	विषय	प्रश्नों की संख्या
1	**शिक्षा**	22 से 28
	शिक्षा का दर्शन - दर्शनशास्त्र के विभिन्न स्कूल; भारतीय विचारकों और पश्चिमी विचारकों के अनुसार शिक्षा।	
	भारतीय संदर्भ में समाजशास्त्र और शिक्षा - शिक्षा का समाजशास्त्रीय आधार, भारतीय समाज की आकांक्षा, घर की भूमिका और कार्य, स्कूल समुदाय, धर्म, मीडिया और राज्य समाजीकरण के प्रतिनिधि के रूप में, शिक्षा एक सामाजिक परिवर्तन के प्रतिनिधि के रूप में, शिक्षा एक सामाजिक समायोजन और सामाजिक-आर्थिक विकास के प्रतिनिधि के रूप में ।	
	शिक्षा, संस्कृति और मानव मूल्य - मूल्यों का अर्थ और वर्गीकरण । नैतिकता और नैतिक मूल्यों की प्रकृति; मूल्य उन्मुख शिक्षा । मूल्य संकट और मूल्य संकट के समाधान में शिक्षा की भूमिका। संस्कृति का अर्थ और विशेषताएं और शिक्षा के साथ इसका संबंध । भारतीय सांस्कृतिक विरासत और शिक्षा । सांस्कृतिक बहुलवाद, | सांस्कृतिक अंतराल, सांस्कृतिक संघर्ष, दुविधा और सहिष्णुता।	
	लोकतंत्र और शिक्षा - समानता, स्वतंत्रता, लोकतंत्र, अधिकार और अनुशासन की अवधारणा। बाल अधिकारों के संदर्भ में मानव अधिकार शिक्षा ।	
	शिक्षा और एकीकरण - शिक्षक और शैक्षिक संस्थानों की भूमिका	
2	**शिक्षार्थी और शिक्षण का मनोविज्ञान**	13 से 18
	शैक्षिक मनोविज्ञान का अर्थ, कार्यक्षेत्र और महत्व। शिक्षा और मनोविज्ञान का संबंध; वृद्धि और विकास की प्रक्रिया; बुद्धि: इसके सिद्धांत और माप। सीखना और प्रेरणा; मनोविज्ञान और असाधारण बच्चों की शिक्षा - रचनात्मक, उपहार, पिछड़े, सीखने की अक्षमता और मानसिक रूप से मंद। मूल्यांकन	
3	**पाठ्यक्रम और निर्देश :**	8 से 12 प्रश्न
	पाठ्यक्रम विकास, लेन-देन,	
	निर्देशात्मक तरीके - शिक्षक-नियंत्रित निर्देश (टीसीआई); शिक्षार्थी-नियंत्रित निर्देश (एलसीआई); समूह-नियंत्रित निर्देश (जीसीआई);	
	कौशल एवं क्षमताएं; निर्देश वितरण के साधन	
	कुल	**50**

शारीरिक प्रशिक्षण अनुदेशक (पीटीआई)

क्र. सं.	विषय	प्रश्नों की संख्या
1	**भारत में शारीरिक शिक्षा**	10 से 12
	उद्देश्य, सिद्धांत और शारीरिक शिक्षा के घटक; भारतीय ओलंपिक संघ और अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति; स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में विभिन्न एजेंसियों की भूमिका (डब्ल्यूएचओ, यूनिसेफ, स्थानीय निकाय); प्रोत्साहन, उपलब्धि की अवधारणा; अन्य शारीरिक शिक्षा और खेल आयोजन (संगोष्ठी, अस्पताल, व्याख्यान) का संगठन, शारीरिक शिक्षा में श्रवण दृश्य सहायकों का उपयोग।	
2	**शारीरिक रचना, शरीर क्रिया विज्ञान, व्यायाम, पोषण आहार और स्वच्छता**	15 से 17
	शारीरिक गतिविधि-अवधारणा, स्वास्थ्य के लिए विशिष्ट संदर्भ के साथ शारीरिक गतिविधियों में भागीदारी के लाभ; अवधारणा, आवश्यकता, घटक और पूर्ण स्वास्थ्य का महत्व । शारीरिक स्वास्थ्य के सिद्धांत, तैयार होना, अनुकूलन और शांत होना, विकसित करने के तरीके; और शारीरिक स्वास्थ्य के स्वास्थ्य और कौशल संबंधित घटकों को मापना ।	
	वेलनेस -अवधारणा घटक, सकारात्मक जीवन शैली के संदर्भ में महत्व। पोषण, संतुलित आहार, आहार सहायक की अवधारणा ।	
	ऊर्जा और गतिविधि - कैलोरी सेवन और व्यय, ऊर्जा संतुलन समीकरण, व्यक्तिगत स्वच्छता की भूमिका, मानसिक स्वच्छता, नींद की स्वच्छता, शारीरिक शिक्षा और खेल में व्यावसायिक स्वच्छता।	
3	**खेल चोट, रोकथाम और स्वास्थ्य शिक्षा, खेल चिकित्सा**	16 से 20
	शारीरिक शिक्षा में शारीरिक रचना और शरीर विज्ञान की बुनियादी अवधारणा, आवश्यकता और महत्व। कोशिका, ऊतक, अंग और प्रणाली की परिभाषा और विवरण; कंकाल प्रणाली, मांसपेशियों की प्रणाली, संचार प्रणाली, श्वसन प्रणाली, पाचन तंत्र, उत्सर्जन प्रणाली, तंत्रिका तंत्र और अंत: स्रावी प्रणाली का संक्षिप्त परिचय।	
	शारीरिक फिटनेस घटकों के विकास को प्रभावित करने वाले शारीरिक कारक । थकान, सिलाई, ऐंठन, ऑक्सीजन ऋण, दूसरी हवा की अवधारणा।	
	प्रशिक्षण प्रभावों के लिए मार्कर - अधिकतम हृदय गति, वाइटल कैपेसिटी, इन्टेक वॉल्यूम, तापमान विनियमन।	
	आसनीय विकृति - प्रकार और कारण (हिप्नोसिस, स्कोलियोसिस, अग्रकुब्जता, घुटनों के बल, धनुष घुटने, समतल पैर) सुधारात्मक अभ्यास।	
	खेल चिकित्सा और एथलेटिक देखभाल - संकल्पना और महत्व, चोटों के कारक कारण।	
	चोटों की रोकथाम के सामान्य सिद्धांत - सामान्य खेल की चोटें (मांसपेशियों में खिंचाव, लिगामेंट मोच, कंधे की अकड़न, पीठ के निचले हिस्से में खिंचाव, टेनिस और गोल्फर कोहनी, धावक के घुटने, पिंडली का दर्द, छाला, आघात, पंगु, खरोंच, रक्तगुल्म, हड्डी टूटना, जोड़ का विस्थापन	
	चोट का प्रबंधन (मांसपेशियों में खिंचाव, लिगामेंट मोच, कंधे की अकड़न, पीठ के निचले हिस्से में खिंचाव, टेनिस और गोल्फर कोहनी, धावक के घुटने, पिंडली का दर्द, छाला, आघात, घाव, खरोंच, हड्डी टूटना, जोड़ का विस्थापन)। खेल की चोट और प्राथमिक चिकित्सा।	
	पुनर्वास - लक्ष्य और उद्देश्य, ठीक होना (आइस बाथ, हॉट बाथ, गर्म सेंक) चिकित्सीय तौर-तरीके (चिकित्सीय अल्ट्रासाउंड, इंटरफ़ेरेंशियल थेरेपी यूनिट, टेंस इंफ्रारेड लैम्प, वैक्स बाथ, शॉर्ट वेव डायथर्मी)।	
	खेल मनोविज्ञान की परिभाषा, कार्यक्षेत्र और महत्व **सीखना** - सीखने की अवधारणा और सिद्धांत, सीखने का वक्र। खेल में भावना, चिंता और तनाव प्रबंधन।	
4	**मनोरंजन के लिए शिविर लगाना**	2 से 3
5	**महत्वपूर्ण क्रीड़ा और खेल**	4 से6
	कुल	**50**

सहायक अध्यापिका

क्र. सं.	विषय	प्रश्नों की संख्या
1	**शैक्षणिक मनोविज्ञान**	25 से 29
	बुद्धिमत्ता: प्रकृति, अर्थ और माप; सीखना; विकास एवं बच्चे का विकास; व्यक्तित्व विकास और समायोजन; बच्चों में व्यक्तिगत अंतर	
2	**शिक्षा प्रौद्योगिकी और शिक्षण - सीखने की प्रक्रिया; संवाद कौशल**	18 से 22
	शिक्षण-सीखने की सामग्री: पाठ्यपुस्तक, मल्टीमीडिया सामग्री, कक्षा के बहुभाषी संसाधन; उपचारात्मक शिक्षण।	
3	कंप्यूटर और उसके अनुप्रयोग	2 से 4
	कुल	**50**

संगीत अध्यापिका

क्र. सं.	विषय	प्रश्नों की संख्या
1	संगीत की प्रशंसा, बड़ा ख्याल और छोटा ख्याल, भरतनाट्य शास्त्र का संक्षिप्त इतिहास और संगीत रत्नाकर, संगीत का वर्गीकरण।	8 से 12
2	भारतीय संगीत में राग और ताल की अवधारणा, रागों का वर्गीकरण, अवधारणा गायन, विभिन्न घराने और उनका इतिहास, संकेतन प्रणाली का विकास, सुगम संगीत के रूप	8 से 12
3	भारतीय संगीत कलाओं का इतिहास, संगीत समारोहों/सेमिनारों/सम्मेलनों का महत्व।	7 से 11
4	ध्वनि-विज्ञान के नियम; संगीत ध्वनि तरंग गति, आवृत्ति ,पिच, वॉल्यूम	7 से 11
5	संगीत और साहित्य, ललित कलाओं में संगीत का स्थान, मल्टी मीडिया में संगीत की भूमिका, ताल अध्ययन, गायन और वाद्ययंत्र संगीत	7 से 11
6	कंप्यूटर और उसके अनुप्रयोग	2 से 4
	कुल	**50**

लैब एसिस्टेंट ग्रेड ।।। रसायनज्ञ और धातुकर्मी

क्र. सं.	विषय		प्रश्नों की संख्या
I	यांत्रिक परीक्षण के मूल सिद्धांत जैसे तन्यता परीक्षण, समाघात परीक्षण, भार झुकाव परीक्षण, मोड़ परीक्षण आदि।		4 से 8
ii	परीक्षण में प्रयोग होने वाले विभिन्न प्रकार के उपकरणों और मशीनों का मूल ज्ञान।		3 से 6
iii	स्टील, कच्चा लोहा, अलौह धातु, रबर प्लास्टिक और कंपोजिट जैसी सामग्रियों का मूल ज्ञान।		6 से 8
Iv	a)	स्टील और कच्चे लोहे में C, Mn, Si, S, P, Cr, Ni & Mo और अन्य तत्वों का अनुमान और उनके प्रभाव।	2 से 3
	b)	अलौह धातुओं और मिश्र धातुओं का परीक्षण।	2 से 4
	c)	इलेक्ट्रोप्लेटिंग के मूल सिद्धांत और विभिन्न इलेक्ट्रोप्लेटेड कोच पुर्जों का परीक्षण।	2 से 5
v	a)	कोचों में पेंटिंग का कार्यक्रम और पेंट की खामियां।	2 से 4
	b)	आरओजेड प्राइमर, सिंथेटिक एनामेल्स और पी.यू.पेंट्स का परीक्षण।	2 से 4
vi	रबर एवं रबर उत्पादों का परीक्षण, एल.पी चादरें, लकड़ी, चिपकने वाला पदार्थ, पीवीसी, रेक्सिन, प्लाईवुड फोम और अफआरपी सामान।		3 से 6
vii	तेल एवं स्नेहक : तेल एवं स्नेहकों, ग्रीस आदि का परीक्षण।		3 से 5
viii	गैर विनाशकारी परीक्षणः		
	a)	वेल्डिंग और स्टील कास्टिंग के एक्स-रे परीक्षण और गामा किरणों की जांच का ज्ञान। फिल्म विकास और रेडियोग्राफी की मूल बातें।	2 से 5
	b)	अल्ट्रासोनिक परीक्षण के सिद्धांत।	2 से 4
	c)	मैग्नाफ्लक्स और डाई पेनिट्रेंट परीक्षण।	2 से 3
		कुल	50

प्रयोगशाला सहायक / स्कूल

क्र. सं.	विषय	प्रश्नों की संख्या
	जीवविज्ञान	
	भाग-A	**5 से 8**
a	**के सामान्य लक्षण :** शैवाल, कवक, लाइकेन, ब्रायोफाइटा, पेरिडो-फाइटा, जेमनोस्पर्म और एंजियोस्पर्म।	
b	**एंजियोस्पर्म की आकृति विज्ञान :** जड़, तना और पत्ती की संरचना और रूप-परिवर्तन। फूल और बीज की संरचना ।	
c	**पौधे की शारीरिक रचनाः** ऊतक और ऊतक प्रणाली। द्वितीयक वृद्धि।	
d	**वनस्पति शरीर क्रिया विज्ञानः** परासरण, जल अवशोषण, रस का आरोहन, वाष्पोत्सर्जन, प्रकाश संश्लेषण, श्वसन, पौधों की वृद्धि और गति।	
e	**पर्यावरण अध्ययनः** पारिस्थितिकी तंत्र की संरचना और प्रकार, ऊर्जा प्रवाह, जैव भू-रासायनिक चक्र, पारिस्थितिक अनुकूलन, पर्यावरण प्रदूषण, जनसंख्या पारिस्थितिकी, जैव विविधता।	
f	**जैव प्रौद्योगिकीः** जनरल अकाउंट, पुनःसंयोजक डीएनए प्रोद्योगिकी, ट्रांसजेनिक पौधे और जानवर, नैतिक परिणाम, कृषि और चिकित्सा क्षेत्र में जैव प्रोद्योगिकी का अनुप्रयोग।	
g	पौधों का आर्थिक महत्व।	
h	**कोशिकाः** संरचना (प्रोकैरियोटिक और यूकेरियोटिक), कोशिका सिद्धांत और कोशिका विभाजन।	
	भाग-B	**6 से 8**
a	**आनुवंशिकीः** मेंडल का नियम, सामान्य शब्दावली, डीएनए और आरएनए की संरचना, आनुवंशिकता का आणविक मूल। गुणसूत्र की संरचना, लिंग निर्धारण और मनुष्य में आनुवंशिक विकार।	
b	**पशुओं का वर्गीकरणः** नॉन कॉर्डेट्स में फ़ाइला तक और कॉर्डेट्स में क्लास तक।	
c	मानव में पाचन श्वसन और उत्सर्जन, प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, वसा, विटामिन और पाचन एंजाइम, गैसों का आदन-प्रदान, एरोबिक और एनारोबिक श्वसन, क्रेब चक्र, ग्लूकोलिसिस, उत्सर्जन पदार्थ। गुर्दे की संरचना और शरीर क्रिया विज्ञान।	
d	**मानव का अंतः स्रावी और परिसंचरण तंत्र :** हृदय की संरचना, रक्त की संरचना, रक्त समूह, रक्त का थक्का जमना, लसीका ग्रंथियां, एंटीजन और एंटीबॉडी। अंतःस्रावी ग्रंथियां और उनके हार्मोन।	
e	**मानव का तंत्रिका तंत्र :** मस्तिषक, आंख और कान की संरचना; न्यूरॉन की संरचना, तंत्रिका आवेग।	
f	**मांसपेशी तंत्रः** मांसपेशियों के प्रकार और मांसपेशियों के संकुचन।	
g	**मानव में प्रजनन प्रणाली और मानव रोगः** संरचना और प्रजनन स्वास्थ्य। मनुष्य में बैक्टीरिया, वायरस, प्रोटोजोऐ, कवक और हेल्मिन्थिस के कारण होने वाले रोग।	
h	जैविक विकास, जानवरों का आर्थिक महत्व।	

क्र. सं.	विषय	प्रश्नों की संख्या
	भौतिकी	**10 से 15**
a	**कठोर पिंड की गतिकी :** टोर्क, कोणीय संवेग का संरक्षण, सरल ज्यामितीय वस्तुओ का जड़त्व आघूर्ण ।	
b	**ऊष्मागतिकी :** ऊष्मागतिकी का पहला और दूसरा नियम। ताप इंजन और रेफ्रिजरेटर।	
c	**कंपनः** सरल आवर्त गति और उसका उदाहरण। अनुनाद।	
d	**तरंगें :** तरंगों क्रे अध्यारोपण का सिद्धांत, डॉपलर प्रभाव	
e	**इलेक्ट्रोस्टाटिक्सः** कूलम्ब का नियम, विद्युत क्षेत्र, गॉस प्रमेय और उसके अनुप्रयोग।	
f	**विद्यूत धाराः** किरचॉफ का नियम, व्हीटस्टोन-ब्रिज, मीटर- ब्रिज, पोटेंशियोमीटर।	
g	**प्रकाशिकीः** माइक्रोस्कोप और दूरबीन, व्यतिकरण, विवर्तन और ध्रुवीकरण, ध्रुवणमापी।	
h	**कणः** बोहर का एच-परमाणु मॉडल।	
i	**नाभिक: द्रव्यमान दोष, परमाणु बंधन ऊर्जा, परमाणु विखंडन और संलयन।**	
j	**आर्ध-चालक इलेक्ट्रॉनिक्सः** पीएन जंक्शन, ट्रांजिस्टर, लॉजिक गेट, रेक्टिफायर के रूप में डायोड, जेनर डायोड।	
	रसायन विज्ञान	
	यनिट-1 आवर्त सारणी और परमाणु गुण :	**2**
अणु के मूल कण (इलेक्ट्रॉन, प्रोटॉन, न्यूरॉन), रदरफोर्ड का परमाणु मॉडल, क्वांटम संख्या, पाउली का अपवर्जन नियम, औफबाउ नियम, कक्षा के प्रकार(S, p, d, f), कक्षा के आकार, हुंड का नियम, आधुनिक आवर्त सारणी, परमाणु गुणों में परिवर्तन (आकार, आयनीकरण, विभव, इलेक्ट्रॉन बंधुता, विद्युत ऋणात्मकता)।		
	यनिट-2 एस-ब्लॉक और पी-ब्लॉक तत्व	**2**
सामान्य परिचय, इलेक्ट्रॉनिक विन्यास, घटित होना, ऑक्सीकरण अवस्था, भौतिक और रासायनिक गुणों में प्रवृत्ति, निष्क्रिय युग्म प्रभाव।		
	यनिट-3 रासायनिक संतुलन	**2**
संतुलन को प्रभावित करने वाले कारक, प्रतिवर्ती और अपरिवर्तनीय प्रतिक्रियाएँ, रासायनिक संतुलन के नियम, ले चेटेलियर का नियम।		
	यनिट-4 आयनिक संतुलन	**2**
एसिड आधारित संतुलन, पी एच का मान, समान आयन प्रभाव, बफर विलयन, एसिड आधारित अनुमापन।		
	यनिट-5 गैसीय अवस्था	**2**
गुण, बॉयल का नियम, चाल्स का नियम, एवोगैड्रो का नियम, डाल्टन का नियम, आदर्श गैस समीकरण, ग्राहम का विसरण का नियम, गैसों का गतिज सिद्धांत।		
	यनिट-6 तरल आवस्था	**2**
तरल पदार्थों के गुण, वाष्प दबाव, सतह खिंचाव, श्यानता।		
	यनिट-7 ठोस अवस्था	**2**
ठोस पदार्थों के गुण, ठोस पदार्थों का वर्गीकरण, कोशिका इकाई और उनके प्रकार, क्रिस्टल की पैकिंग, सरल आयनिक यौगिकों की संरचना।		
	यनिट-8 घोल	**2**
विलेय, विलायक, विलयन, विलयनों की सांद्रता (मोलारिटी, नार्मलता, फॉर्मैलिटी, मोलारिटी, मोल अंश, भार प्रतिशत), विलयनों के प्रकार (गैस विलयन, द्रव विलयन, ठोस विलयन, राउल्ट का नियम, आदर्श और गैर-आदर्श विलयन, विलयनों के सहसंयोजी गुण		
	यनिट-9 कार्बनिक मिश्रणों की नामपद्धति और सामान्य गुण	**2**
IUPAC नामकरण के नियम, प्रतिक्रिया के प्रकार (प्रतिस्थापन, जोड़ना, निष्कासन), इलेक्ट्रोफाइल, न्यूक्लियोफाइल, इन्डक्टिव प्रभाव, इलेक्टोमेरिक प्रभाव, अनुनाद, हाइपरकॉनज़्यूगेशन, स्थैतिक प्रभाव, समावयवता (संरचनात्मक और स्टीरियो)		
	यनिट-10 हाईड्रोकार्बन	**2**
परिभाषा और हैइड्रोकार्बन के प्रकार (एल्केन, एल्किन, एल्काइन, एरीन), हैइड्रोकार्बन की तैयारी, भौतिक गुण, रासायनिक गुण।		
	कुल	**50**

लाइब्रेरियन

क्र. सं.	विषय	प्रश्नों की संख्या
i	ज्ञान का ब्रह्मांड, संरचना और गुण, विषयों के रचना के साधन, विभिन्न प्रकार के विषय, विषयों का ब्रह्मांड जैसा कि वर्गीकरण की विभिन्न योजनाओं में मैप किया गया है।	**12 से 14**
ii	ग्रंथसूची विवरण, सूचीपत्र का उद्देश्य, संरचना और प्रकार, भौतिक प्रपत्र सहित ओपीएसी भरने के नियम, सूचीकरण के मानक सिद्धांत, दस्तावेज़ विवरण में अभ्यास के सिद्धांतों का अवलोकन, मानकीकरण में वर्तमान रुझान, विवरण और विनिमय, सूचीकरण का मानक पाठ्यक्रम।	**12 से 14**
iii	ज्ञान के संगठन की विधि, विश्व और भारत का सामान्य ज्ञान, पुस्तकालय वर्गीकरण का सामान्य सिद्धांत, वर्गीकरण के मानक सिद्धांत और उनके अनुप्रयोग, पुस्तकालय वर्गीकरण की प्रजातियाँ, वर्गीकरण की मानक योजनाएँ और उनकी विशेषताएँ, सीसी, ईडीसी, यूडीसी, संकेतन: [आवश्यकता, कार्य, विशेषताएँ], पुस्तकालय वर्गीकरण योजनाओं का डिज़ाइन और विकास, मानक उप-विभाजन सूचकांक, पुस्तकालय वर्गीकरण में रुझान।	**12 से 14**
vi	विषयों का वर्गीकरण, शैक्षिक मनोविज्ञान, विषय वर्गीकरण के सिद्धांत।	**8 से 12**
	कुल	**50**

प्राथमिक शिक्षक/प्राथमिक रेलवे शिक्षक

क्र. सं.	विषय	प्रश्नों की संख्या
a	**सीखने वाले को समझनाः** • विकास की अवधारणा, परिपक्वता और विकास, विकास के सिद्धांत और वाद-विवाद, विकास कार्य और चुनौतियाँ। • विकास के क्षेत्रः शारीरिक, संज्ञानात्मक, सामाजिक-भावनात्मक, नैतिक आदि। विकास में विचलन और उसके निहितार्थ • किशोरावस्था को समझनाःआवश्यकताएँ, चुनौतियाँ और संस्थागत समर्थन डिजाइन करने के निहितार्थ। • प्राथमिक और माध्यमिक समाजीकरण एजेंसियों की भूमिका। होम स्कूल की निरंतरता सुनिश्चित करना।	**18 से 20**
b	**सीखाना और सीखना को समझनाः** • सिद्धांतिक परिप्रेक्ष्य से सीखने के लिए व्यवहारवाद, संज्ञानात्मकवाद और रचनात्मकतावाद के निम्न के लिए विशेष संदर्भों के साथ उनका निहितार्थ और । • शिक्षक की भूमिका • शिक्षार्थी की भूमिका • शिक्षक और विद्यार्थी के संबंध की प्रकृति • शिक्षण विधियों का चयन • कक्षा का वातावरण • अनुशासन, शासन इत्यादि की समझ • सीखने को प्रभावित करने वाले कारक और उनके लिए निहितार्थः • कक्षा के लिए निर्देशों का तैयार करना • विद्यार्थियों की गतिविधियों की योजना बनाना • विद्यालय/स्कूल में सीखने की स्थान बनाना • सीखाने-सीखने की योजना तैयार करना और आयोजन करना • पाठ्यक्रम और पाठ्यचर्या की अवधारणा, अपरोक्ष और छुपा पाठ्यक्रम • मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता, बचपन में प्रारंभिक देखभाल और शिक्षा • योग्यता आधारित शिक्षा, अनुभवात्मक शिक्षा आदि • अनुदेशात्मक योजनाएँ - वार्षिक योजना, इकाई की योजना, पाठ की योजना • अनुदेशात्मक सामग्री और साधन • सीखाने-सीखने के लिए सूचना एवं संचार प्रोद्योगिकी • सीखने का, सिखने के लिए और सीख का मूल्यांकनः अर्थ, उद्देश्य और प्रत्येक की योजना बनाते समय ध्यान रखने योग्य बातें • सीखाने-सीखने की प्रक्रिया को बढ़ानाः कक्षा का अवलोकन और प्रतिक्रिया, रचनावादी शिक्षण के साधन के रूप में कुछ विचार और संवाद।	**18 से 20**
c	**सीखने का एक अनुकूल वातावरण तैयार करनाः** • विविधता, विकलांगता और समावेशन की अवधारणाएं, सामाजिक निर्माण के रूप में विकलांगता के निहितार्थ, विकलांगता के प्रकार-उनकी पहचान और हस्तक्षेप • विद्यालय में मानसिक स्वास्थ्य की अवधारणा, सभी छात्रों और कर्मचारियों के लिए मानसिक स्वास्थ्य के उपचारात्मक, निवारक और प्रोत्साहक आयामों को संबोधित करना, मार्गदर्शन और परामर्श का प्रावधान करना। • विद्यालय और समुदाय को एक सीखने के संसाधन के रूप में विकसित करना।	**4 से 6**

क्र. सं.	विषय	प्रश्नों की संख्या
d	**विद्यालय संगठन और नेतृत्वः** • एक चिंतनशील व्यवसायी, दल निर्माता, पहल प्रारंभ करने वाला, प्रशिक्षक, और संरक्षक के रूप में लीडर • विद्यालय परिप्रेक्ष्य में नेतृत्व- अनुदेशात्मक, वितरित और परिवर्तनकारी। • दृष्टिकोण बनाना, लक्ष्य निर्धारित करना और विद्यालय विकास के लिए योजना तैयार करना। • विद्यालय प्रक्रियाओं और मंचों का उपयोग कर सिखाने और सीखने को मजबूत करने के लिए वार्षिक कैलेंडर, समय-सारणी, अभिभावक-शिक्षक मंच, विद्यालय सभा, शिक्षक विकास मंच, अध्यापन-शिक्षा में सुधार लाने के लिए उपलब्धियों के डाटा का अनुप्रयोग करना, विद्यालय स्व-मूल्यांकन और सुधार। • समुदाय, उद्योग और अन्य पड़ोसी विद्यालयों और उच्च शिक्षा संस्थानों के साथ साझेदारी बनाकर सीखने वाला समुदाय बनाना।	**4 से 6**
e	**शिक्षा में परिप्रेक्ष्यः** • शिक्षा के लक्ष्यों को प्राप्त करने में विदयालय की भूमिका। • **NEP-2020:** बचपन में प्रारंभिक देखभाल और शिक्षा; सीखने की नींव, मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता; विद्यालय में पाठ्यक्रम और शिक्षाशास्त्र; समग्र और एकीकृत शिक्षा; न्यायसंगत और समावेशी शिक्षा, सभी के लिए शिक्षा, योग्यता आधारित शिक्षा और शिक्षण । • बाल अधिकारों के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत, बच्चों के सुरक्षित वातावरण के अधिकार की रक्षा करना और प्रावधान करना, बच्चों का निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009. • स्कूली शिक्षा के विशेष संदर्भ में शिक्षा में राष्ट्रीय नीतियों का ऐतिहासिक अध्ययन। • स्कूल पाठ्यक्रम के सिद्धांतः परिप्रेक्ष्य, सीखना और ज्ञान, पाठ्यचर्या क्षेत्र, स्कूल चरण-शिक्षाशास्त्र और मूल्यांकन।	**2 से 3**
	कुल	**50**

लोक अभियोजक

क्र. सं.	विषय	प्रश्नों की संख्या
1	**कानूनी अवधारणाएँ** कानून के तहत व्यक्ति- प्राकृतिक और कानूनी व्यक्तित्व- जानवरों, अजन्मे और मृत व्यक्ति की कानूनी स्थिति- कॉर्पोरेट व्यक्तित्व- कॉर्पोरेट आपराधिक दायित्व- संपत्ति की अवधारणा- संपत्ति के प्रकार और अधिग्रहण के तरीके- स्वामित्व और कब्जे की अवधारणा- अधिकारों की अवधारणा और प्रकार- राज्य- इसके आवश्यक तत्व और राज्य के प्रकार।	**3 से 4**
2	**अपराध शास्त्र और दंड शास्त्र** अपराध कारक कारण - अपराध विज्ञान का सकारात्मक स्कूल- लोम्ब्रोसो, एनरिको फेरी और टार्डे- अपराध और समाजशास्त्र- गरीबी और अपराध- विभेदक संघ सिद्धांत- सफेदपोश अपराध- दंड के सिद्धांत- सुधारात्मक और पुनर्वास तकनीक- भारतीय दंड संहिता के तहत दंड के प्रकार- मृत्युदंड और इसकी संवैधानिक वैधता- जेल श्रम- पैरोल।	**3 से 4**
3	**अपराध के सामान्य सिद्धांत** अपराध और उसकी परिभाषा- एक्टस रेस- स्वैच्छिक कृत्य- उपेक्षा से कारित कार्य- अपकृत्य और अपराध में अंतर- मेन्स रीआ- भारतीय दंड संहिता के अंतर्गत इसके स्तर- अपूर्ण अपराध- सामान्य आशय- आपराधिक षडयंत्र- आपराधिक प्रयास- दुष्प्रेरण।	**3 से 4**
4	**भारतीय न्याय सहिंता के अंतर्गत सामान्य अपवाद** भारतीय न्याय संहिता, 2023 का अध्याय III - तथ्यों की भूल- न्यायिक कार्य- दुर्घटनाएँ- शैशवावस्था और पागलपन के कार्य- सहमति और दबाव - तुच्छ बातें- निजी बचाव- अन्य क्षम्य और न्यायोचित कार्य- सामान्य अपवादों की न्यायिक व्याख्या।	**5 से 7**
5	**मानव शरीर के प्रति अपराध** गैर इरादतन हत्या और हत्या - लापरवाही से मौत - दहेज हत्या और आत्महत्या - गर्भपात का कारण बनना - चोट और गंभीर चोट - एसिड अटैक - अपहरण - महिला की शील के खिलाफ अपराध - बलात्कार और अप्राकृतिक अपराध - आपराधिक कानून संशोधन 2013 और इसके निहितार्थ - बच्चों के खिलाफ यौन शोषण और कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न पर प्रासंगिक विशेष कानून - न्यायिक प्रतिक्रियाएं।	**3 से 4**
6	**संपत्ति के विरूद्ध अपराध और अन्य अपराध** चोरी, जबरन वसूली, डकैती और डकैती का अपराध - संपत्ति का आपराधिक दुरुपयोग - विश्वासघात - चोरी की संपत्ति प्राप्त करना - धोखाधड़ी - शरारत - आपराधिक अतिचार - जालसाजी - झूठी गवाही - सार्वजनिक उपद्रव को प्रभावित करने वाले अपराध - राज्य के खिलाफ अपराध - धर्म और विवाह के खिलाफ अपराध - अश्लीलता।	**5 से 7**
7	**आपराधिक न्याय प्रशासन** आपराधिक न्याय प्रशासन का उद्देश्य- भारत में आपराधिक न्यायालयों के वर्ग और उनका क्षेत्राधिकार- लोक अभियोजक और उनकी भूमिका- कार्यकारी मजिस्ट्रेट- पुलिस का संगठन और उसकी शक्तियां- अपराधों का वर्गीकरण- संज्ञेय और असंज्ञेय- जमानतीय और गैर-जमानती- भारतीय कानूनी प्रणाली के तहत पीड़ित संरक्षण- अपील, पुनरीक्षण के उपाय और उच्च न्यायालय की अंतर्निहित शक्तियां- जमानत और अग्रिम जमानत।	**5 से 7**

क्र. सं.	विषय	प्रश्नों की संख्या
8	**साक्ष्य के सिद्धांत** भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 2023 - साक्ष्य- सुसंगत तथ्य- साक्ष्य की स्वीकार्यता- सबूत के भार की अवधारणा- स्वीकारोक्ति- पुलिस अधिकारियों के समक्ष स्वीकारोक्ति- मृत्युपूर्व कथन- दस्तावेजी साक्ष्य- सार्वजनिक दस्तावेजों का साक्ष्यात्मक मूल्य- साक्ष्य कानून के तहत धारणाएं- अफवाह नियम और अपवाद- इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य- विशेषज्ञ साक्ष्य- व्यक्ति की पहचान- गवाह और गवाह की परीक्षा- साक्ष्य की अस्वीकृति।	**5 से 7**
9	**अभियुक्त और गिरफ्तार व्यक्ति के संवैधानिक अधिकार** आपराधिक प्रक्रिया में अभियोगात्मक और जांच प्रणाली- निष्पक्ष सुनवाई की अवधारणा- संवैधानिक अधिकार के रूप में निष्पक्ष सुनवाई- सामाजिक आर्थिक अपराध और सबूत के बोझ का स्थानांतरण- आरोपी व्यक्ति के अधिकार- आत्म-दोषसिद्धि के खिलाफ अधिकार- आपराधिक प्रक्रिया संहिता के तहत आरोपी और पीड़ित की परीक्षा- नार्को विश्लेषण जैसे वैज्ञानिक परीक्षण- संवैधानिक वैधता- दोहरे खतरे के खिलाफ अधिकार- संवैधानिक और कानूनी प्रावधान- पूर्वव्यापी कानून और आपराधिक प्रक्रिया- गोपनीयता और आपराधिक प्रक्रिया का अधिकार- भूल जाने का अधिकार- कैदियों के अधिकार- मनमानी गिरफ्तारी के लिए मुआवजे का अधिकार- निवारक नजरबंदी- मुफ्त कानूनी सहायता- कानूनी सेवा प्राधिकरण।	**5 से 7**
10	**भारतीय नागरिक सुरक्षा सहिंता (विभिन्न धाराएं)**	**5 से 7**
11	**रेलवे सुरक्षा बल अधिनियम,1957 रेलवे अधिनियम,1989 एवं रेलवे संपत्ति (गैर-कानूनी कब्जा) अधिनियम,1966**	**5 से 7**
	कुल	**50**

वैज्ञानिक पर्यवेक्षक (एर्गोनॉमिक्स और प्रशिक्षण)

क्र. सं.	विषय	प्रश्नों की संख्या
1	**बुनियादी मनोवैज्ञानिक प्रक्रियाएँ**	**6 से 8**
	संवेदना, धारणा, ध्यान, स्मृति, सीखना और समस्या समाधान, भावना और प्रेरणा, मानव क्षमताओं की प्रकृति, बुद्धि, योग्यता और रुचि	
2	**जैव-शारीरिक प्रक्रियाएँ**	**7 से 8**
	केंद्रीय, परिधीय और स्वायत्त तंत्रिका तंत्र, मस्तिष्क कार्यों का स्थानीयकरण, गोलार्ध विशिष्टता, तंत्रिका आवेग चालन, रिसेप्टर प्रणाली, अंतःस्रावी तंत्र (शारीरिक विकास, भावनात्मक गतिविधियों और व्यक्तित्व में भूमिका), नींद और उत्तेजना	
3	**व्यक्तित्व का मनोविज्ञान**	**6 से 8**
	व्यक्तित्व की अवधारणा, व्यक्तित्व का विकास और वृद्धि, व्यक्तित्व के सिद्धांत, मापन की तकनीकें, व्याख्या और भविष्यवाणी	
4	**शोध पद्धति**	**6 से 8**
	शोध पद्धतियाँ, शोध डिजाइन, परिकल्पना, नमूनाकरण तकनीक, डेटा संग्रह और विश्लेषण के तरीके, डेटा की व्याख्या और रिपोर्ट लेखन	
5	**परीक्षण निर्माण**	**6 से 8**
	मनोवैज्ञानिक परीक्षणों की परिभाषा, परीक्षणों के प्रकार, मनोवैज्ञानिक परीक्षणों का निर्माण और मानकीकरण, विश्वसनीयता और वैधता का आकलन, मानदंडों का विकास	
6	**मनोविज्ञान में सांख्यिकीय विधि**	**6 से 8**
	मापन का पैमाना, केंद्रीय प्रवृत्ति और परिवर्तनशीलता के उपाय, मानक अंक, सामान्यीकृत मानक अंक वितरण, प्रतिशत रैंक, सामान्य वितरण, सामान्य वक्र के अंतर्गत क्षेत्र, अंतरों का महत्व, सहसंबंध और प्रतिगमन, विचरण का विश्लेषण, परिकल्पना परीक्षण, माप की विश्वसनीयता और वैधता, परीक्षण पैमाने और मानदंड	
7	अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान	**7 से 8**
	व्यक्तिगत अंतर और माप, व्यक्तित्व का मूल्यांकन, मनोवैज्ञानिक विकार और मानसिक स्वास्थ्य, दृष्टिकोण, उद्योग और संगठन में मनोविज्ञान, नैदानिक सेटिंग्स में मनोविज्ञान	
	कुल	**50**

वैज्ञानिक सहायक/प्रशिक्षण

क्र. सं.	विषय	प्रश्नों की संख्या
1	**बुनियादी मनोवैज्ञानिक प्रक्रियाएँ** संवेदना, धारणा, ध्यान, स्मृति, सीखना और समस्या समाधान, भावना और प्रेरणा, मानव क्षमताओं की प्रकृति, बुद्धि, योग्यता और रुचि	7 से 8
2	**व्यक्तित्व का मनोविज्ञान** व्यक्तित्व की अवधारणा, व्यक्तित्व का विकास और वृद्धि, व्यक्तित्व के सिद्धांत, मापन की तकनीकें, व्याख्या और अनुमान	5 से 7
3	**परामर्श और प्रशिक्षण** परामर्श के सिद्धांत, परामर्श के प्रकार, परामर्श की तकनीक, प्रेरणा और मनोबल से संबंधित कर्मचारी परामर्श, प्रशिक्षण आवश्यकताओं का आकलन	6 से 8
4	**शोध पद्धति** शोध पद्धतियाँ, शोध डिजाइन, परिकल्पना, नमूनाकरण तकनीक, डेटा संग्रह और विश्लेषण के तरीके, डेटा की व्याख्या और रिपोर्ट लेखन	6 से 8
5	**परीक्षण निर्माण** मनोवैज्ञानिक परीक्षणों की परिभाषा, परीक्षणों के प्रकार, मनोवैज्ञानिक परीक्षणों का निर्माण और मानकीकरण, विश्वसनीयता और वैधता का आकलन, मानदंडों का विकास	6 से 8
6	**मनोविज्ञान में सांख्यिकीय विधि** मापन का पैमाना, केंद्रीय प्रवृत्ति और परिवर्तनशीलता के उपाय, मानक स्कोर और सामान्यीकृत मानक स्कोर वितरण, प्रतिशत रैंक, सामान्य वितरण, सामान्य वक्र के अंतर्गत क्षेत्र, अंतर का महत्व, सहसंबंध और प्रतिगमन, विचरण का विश्लेषण, परिकल्पना परीक्षण, माप की विश्वसनीयता और वैधता, परीक्षण पैमाने और मानदंड	6 से 8
7	**अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान** व्यक्तिगत अंतर और माप, व्यक्तित्व का मूल्यांकन, मनोवैज्ञानिक विकार और मानसिक स्वास्थ्य, दृष्टिकोण, उद्योग और संगठन में मनोविज्ञान, नैदानिक सेटिंग्स में मनोविज्ञान	6 से 8
	कुल	50